कंसल्टेंट फर्म ने एलडीए को दी रिपोर्ट, SCR रिंग रोड का भी प्रस्ताव

स्टार्टअप हब और सैटलाइट सिटी के सहारे चमकेगा SCR

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

लखनऊ और आसपास के पांच जिलों को मिलाकर राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) की तर्ज पर विकसित करने का पहला खाका तैयार हो गया है। कंसल्टेंट फर्म ने एससीआर की विस्तृत विकास योजना की 380 पेज की रिपोर्ट तैयार कर एलडीए को सौंप दी है। इसमें विकास के तमाम मानकों के साथ कई सैटलाइट सिटी और स्टार्टअप हब बनाने का भी प्रस्ताव है। इसके साथ सभी जिलों को जोड़ने के लिए एक नई आउटर रिंग रोड का प्रस्ताव है।

कंसल्टेंट फर्म ने अपनी रिपोर्ट किताब के फॉर्मेट में तैयार की है। अब सीएम योगी आदित्यनाथ से इसकी लॉन्चिंग करवाने की तैयारी है। इसके साथ एलडीए ने एससीआर का लोगो तैयार करने के लिए प्रतियोगिता भी शुरू करवाई है। रिपोर्ट के बाद यह लोगो दिवाली के आसपास लॉन्च किया जाएगा। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि रिपोर्ट में तमाम प्रॉजेक्ट के अनुमानित खर्च का जानकारी भी दी गई है। अब रिपोर्ट का सिनॉप्सिस भी बनवाया जाएगा। इससे लोग आसानी से एससीआर के बारे में जान सकेंगे।

रिपोर्ट में कई सुझाव

- सड़कों और फ्लाईओवर का नेटवर्क मजबूत हो।
- दूसरे शहरों तक मेट्रो का विस्तार किया जाए।
- पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन बेल्ट का विस्तार किया जाए।
- जल संरक्षण के लिए वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दिया जाए।
- सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों का इस्तेमाल बढ़ाया जाए।
- बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन दिया जाए।
- मालवाहक परिवहन के लिए लॉजिस्टिक हब की स्थापना की जाए।
- आउटर रिंग रोड बने, जो एससीआर के शहरों से कनेक्ट हो।

AI Image

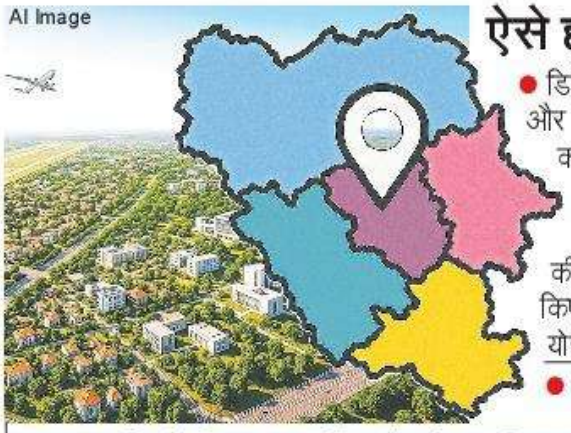

ऐसे होगा विकास

- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी।
- बढ़ती आबादी की जरूरत के लिए किफायती आवासीय योजनाएं बनाई जाएगी।
- स्लम क्षेत्रों के पुनर्विकास और अवैध निर्माण रोकने के लिए सख्त नीतियां बनाई जाएंगी।
- नए टाउनशिप और सैटलाइट शहरों का विकास किया जाएगा।
- नए औद्योगिक क्षेत्र और विशेष आर्थिक जोन (एससीजेड) बनेंगे।
- रोजगार के लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर और स्टार्टअप हब बनाए जाएंगे।

पॉलिटेक्निक चौराहे से इंदिरा नहर तक बनना है फ्लाईओवर

अयोध्या रोड फ्लाईओवर के लिए सॉइल टेस्टिंग पूरी, अब होगा सर्वे

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** अयोध्या रोड पर पॉलिटेक्निक चौराहे से इंदिरा नहर तक फ्लाईओवर का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए एलडीए ने 12 जगह सॉइल टेस्टिंग करवाई है। सकारात्मक जांच के बाद एलडीए ने इसकी रिपोर्ट सेतु निगम और जिला प्रशासन को सौंप दी है। अब फ्लाईओवर के लिए सर्वे कर जमीन अधिग्रहण किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, फ्लाईओवर के रास्ते में कई निर्माण आ सकते हैं। इन्हें चिह्नित करने का जिम्मा जिला प्रशासन का होगा। माना जा रहा है कि यह काम दिवाली तक पूरा हो जाएगा।

हाई कोर्ट ने दिखाई थी सख्ती: अयोध्या रोड पर लगने वाले ट्रैफिक जाम पर हाई कोर्ट के सख्त रुख के बाद एलडीए ने पॉलिटेक्निक चौराहा से इंदिरा नहर तक फ्लाईओवर का प्रस्ताव तैयार किया था। इसके सर्वे, डिजाइन समेत अन्य काम की जिम्मेदारी संयुक्त रूप से लोक निर्माण विभाग और सेतु निगम को सौंपी गई है, लेकिन निर्माण कार्य सेतु निगम ही करेगा। इससे पहले एलडीए ने फ्लाईओवर के लिए शुरुआती जांच पूरी कर ली है।

AI Image

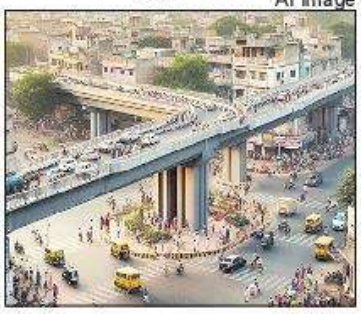

टूटेंगे कई निर्माण: अयोध्या रोड की चौड़ाई कई जगह अलग-अलग है। सर्वे में सामने आया कि पॉलीटेक्निक से आगे कमता तक सड़क की चौड़ाई करीब 40 मीटर है। इसके आगे कुछ जगह सड़क 60 से 70 मीटर चौड़ी है। वहीं, साल 2014 के मास्टर प्लान में अनौरा कलां गांव के आसपास सड़क की चौड़ाई करीब 100 मीटर चौड़ी बताई गई है। सड़क के दोनों ओर 50-50 मीटर ग्रीन बेल्ट भी है। कागज पर भले ही सड़क 100 मीटर तक चौड़ी हो, लेकिन मौके पर हालात अलग हैं। कई जगह लोगों ने सड़क के हिस्से में निर्माण करवा लिया है। ऐसे में फ्लाईओवर के सर्वे के बाद ऐसे कई निर्माण पर बुलडोजर चल सकता है।

सॉइल टेस्टिंग हो चुकी है। इसकी रिपोर्ट निर्माण करने वाली एजेंसी को सौंप दी गई है। अब आगे का जिम्मा निर्माण करने वाली एजेंसी का है।

प्रथमेश कुमार, वीसी, एलडीए

क्यों जरूरी है सॉइल टेस्टिंग?

किसी फ्लाईओवर या अंडरपास के निर्माण के लिए सबसे पहले सॉइल टेस्टिंग होती है। इससे पता चलता है कि जहां निर्माण होना है, वहां मिट्टी की गुणवत्ता कैसी है, ताकि निर्माण के बाद मिट्टी धसकने जैसी दिक्कत न हो। इसके साथ पाइल लोड टेस्टिंग करवाई जाती है। इससे निर्माण की भार क्षमता का आकलन होता है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात